

Kohlberg's Theory of Moral Development कोहलबर्ग का नैतिक विकास का सिद्धांत

Lawrence Kohlberg's work was modified and expanded upon Jean Piaget's previous work to form a theory that explained how children develop moral reasoning. Piaget described a two-stage process of moral development. Kohlberg extended Piaget's theory, proposing that moral development is a continual process that occurs throughout the lifespan. His theory outlines six stages of moral development within three different levels.

लॉरेंस कोहलबर्ग के काम को जीन पियाजे के पिछले काम पर संशोधित और विस्तारित किया गया था, जिसमें एक सिद्धांत बनाया गया था जिसमें बताया गया था कि बच्चे नैतिक तर्क कैसे विकसित करते हैं। पियाजे ने नैतिक विकास की दो चरणों वाली प्रक्रिया का वर्णन किया। कोहलबर्ग ने पियाजे के सिद्धांत को विस्तारित किया, यह प्रस्तावित करते हुए कि नैतिक विकास एक निरंतर प्रक्रिया है जो जीवन भर होती है। उनका सिद्धांत तीन अलग-अलग स्तरों के भीतर नैतिक विकास के छह चरणों की रूपरेखा देता है

Kohlberg's Theory of Moral Development - Stages of Development (कोहलबर्ग का नैतिक विकास का सिद्धांत- विकास के चरण)

Kohlberg identified three phases or levels of moral reasoning – Post-conventional, Conventional, and Pre-conventional. Each of the levels is linked with complex moral development stages. कोहलबर्ग ने तीन चरणों या नैतिक तर्क के स्तरों की पहचान की- उत्तर-पारंपरिक, पारंपरिक और पूर्व-पारंपरिक। प्रत्येक स्तर जटिल नैतिक विकास चरणों से जुड़ा हुआ है।

- **Pre-conventional** पूर्व-पारंपरिक
- **Conventional** पारंपरिक
- **Post-conventional** उत्तर-पारंपरिक

Kohlberg's classification can be outlined in the following manner:

कोहलबर्ग के वर्गीकरण को निम्नलिखित तरीके से रेखांकित किया जा सकता है:

Level स्तर	Stage चरण	Social Orientation सामाजिक अभिविन्यास
Pre-conventional पूर्व-पारंपरिक	1	Obedience and Punishment Orientation आज्ञाकारिता और दंड अभिविन्यास
	2	Individualism, Instrumentalism and Exchange/ Instrumental Orientation व्यक्तिवाद, उपकरणवाद और विनिमय / नैमिति अभिविन्यास
Conventional पारंपरिक	3	Good boy/girl/ Nice Girl, Good Boy Orientation अच्छा लड़का / लड़की / अच्छी लड़की, अच्छा लड़का अभिविन्यास
	4	Law and Order Orientation/ Authority and Social Order कानून और व्यवस्था अभिविन्यास / प्राधिकरण और सामाजिक व्यवस्था
Post-conventional उत्तर-पारंपरिक	5	Social Contract Orientation सामाजिक अनुबंध अभिविन्यास
	6	Principled Conscience/ Universal-Ethical-Principal Orientation सैद्धांतिक अन्तश्चेतना/ सार्वभौमिक नैतिक प्रमुख अभिविन्यास

Level 1 - Pre-conventional (पूर्व पारंपरिक)

At the pre-conventional level we don't have a personal code of morality. Instead, our moral code is shaped by the standards of adults and the consequences of following or breaking their rules. पूर्व-पारंपरिक स्तर पर हमारे पास नैतिकता का एक व्यक्तिगत कोड नहीं है। इसके बजाय, हमारे नैतिक कोड को वयस्कों के मानकों और उनके नियमों का पालन करने या तोड़ने के परिणामों द्वारा आकार दिया गया है

Level/Stage स्तर/चरण	Age Range/ आयु सीमा	Description विवरण
I: Obedience / Punishment आज्ञाकारिता / सजा	Infancy शैशवस्था	No difference between doing the right thing and avoiding punishment सही काम करने और सजा से बचने में कोई अंतर नहीं
I: Instrumental Orientation नैमिति अभिविन्यास	Pre - school पूर्व- स्कूल	Interest shifts to reward rather than punishment - effect is made to secure greatest benefit for oneself सजा प्रभाव के बजाय इनाम के लिए रूचि शिफ्ट अपने आप के लिए सबसे बड़ा लाभ सुरक्षित करने के लिए किया जाता है

Stage 1: Punishment- Obedience Orientation (सजा- आज्ञा अभिविन्यास)

This stage includes the use of punishment so that the person refrains from doing the action and continues to obey the rules. For example, we follow the law because we do not want to go to jail.

इस चरण में सजा का उपयोग शामिल है ताकि व्यक्ति कार्रवाई करने से परहेज करे और नियमों का पालन करता रहे। उदाहरण के लिए, हम कानून का पालन करते हैं क्योंकि हम जेल नहीं जाना चाहते हैं।

Stage 2: Instrumental Relativist Orientation (नैमित्तियो सापेक्षवादी अभिविन्यास)

In this stage, the person is said to judge the morality of an action based on how it satisfies the individual needs of the doer. For instance, a person steals money from another person because he needs that money to buy food for his hungry children. In Kohlberg's theory, the children tend to say that this action is morally right because of the serious need of the doer.

इस चरण में, व्यक्ति को एक क्रिया की नैतिकता का न्याय करने के लिए कहा जाता है कि वह किस प्रकार से कर्ता की व्यक्तिगत आवश्यकताओं को संतुष्ट करता है। उदाहरण के लिए, एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति से पैसे चुराता है क्योंकि उसे अपने भूखे बच्चों के लिए भोजन खरीदने के लिए उस पैसे की आवश्यकता होती है। कोहलबर्ग के सिद्धांत में, बच्चे कहते हैं कि यह क्रिया नैतिक रूप से सही है क्योंकि कर्ता की गंभीर आवश्यकता है।

Level 2: Conventional (पारंपरिक)

At the conventional level, we begin to internalize the moral standards of valued adult role models. पारंपरिक स्तर पर, हम मूल्यवान वयस्क भूमिका मॉडल के नैतिक मानकों को आंतरिक बनाना शुरू करते हैं।

Level/Stage चरण/स्तर	Age Range आयु सीमा	Description विवरण
II: Conformity and Interpersonal Accord अनुरूपता और पारस्परिक समझौते	School - age शिक्षा काल	The "good boy / girl level. Effort is made to secure approval and maintain friendly relation with others. अच्छा लड़का / लड़की स्तर। स्वीकृति को सुरक्षित करने और दूसरों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखने का प्रयास किया जाता है
II: Authority and Social Order प्राधिकरण और सामाजिक व्यवस्था	School - age शिक्षा काल	Orientation towards fixed rules. The purpose of morality is maintain the social order. Interpersonal accord is expanded to include the entire society. नियत नियमों के प्रति झुकाव। नैतिकता का उद्देश्य सामाजिक व्यवस्था बनाए रखना है। पूरे समाज को शामिल करने के लिए पारस्परिक समझौते का विस्तार किया जाता है।

Stage 3: Good Boy-Nice Girl Orientation (अच्छा लड़का अच्छी लड़की अभिविन्यास)

In this stage, a person judges an action based on the societal roles and social expectations before him. This is also known as the “interpersonal relationships” phase. For example, a child gives away her lunch to a street peasant because she thinks doing so means being nice.

इस चरण में, एक व्यक्ति सामाजिक भूमिकाओं और उसके समक्ष सामाजिक अपेक्षाओं के आधार पर एक कार्रवाई का न्याय करता है। यह "पारस्परिक संबंध" चरण के रूप में भी जाना जाता है। उदाहरण के लिए, एक बच्चा अपना दोपहर का भोजन एक सड़क किसान को दे देता है क्योंकि वह सोचता है कि ऐसा करने का अर्थ अच्छा है।

Stage 4: Law and Order Orientation/ Authority and Social Order (कानून और व्यवस्था अभिविन्यास / प्राधिकरण और सामाजिक व्यवस्था)

This stage includes respecting the authorities and following the rules, as well as doing a person's duty. The society is the main consideration of a person at this stage. For instance, a policeman refuses the money offered to him under the table and arrests the offender because he believes this is his duty as an officer of peace and order.

इस चरण में अधिकारियों का सम्मान करना और नियमों का पालन करना, साथ ही किसी व्यक्ति का कर्तव्य करना शामिल है। समाज इस स्तर पर एक व्यक्ति का मुख्य विचार है। उदाहरण के लिए, एक पुलिसकर्मी मेज के नीचे उसे दिए गए पैसे से इनकार कर देता है और अपराधी को गिरफ्तार कर लेता है क्योंकि उसका मानना है कि यह शांति और व्यवस्था के अधिकारी के रूप में उसका कर्तव्य है

Level 3 - Post-conventional (उत्तर पारंपरिक)

Individual judgment is based on self-chosen principles, and moral reasoning is based on individual rights and justice. According to Kohlberg this level of moral reasoning is as far as most people get. व्यक्तिगत निर्णय स्व-चयनित सिद्धांतों पर आधारित है, और नैतिक तर्क व्यक्तिगत अधिकारों और न्याय पर आधारित है। कोहलबर्ग के अनुसार नैतिक तर्क का यह स्तर जहाँ तक अधिकांश लोगों को मिलता है।

Level/Stage स्तर/चरण	Age Range आयु सीमा	Description विवरण
III: Social Contract सामाजिक अनुबंध	Teens किशोर	Mutual benefit, reciprocity. Morally right and legally right are not always the same. Utilitarian rules that makes life better for everyone. पारस्परिक लाभ, पारस्परिकता। नैतिक रूप से सही और कानूनी रूप से अधिकार हमेशा समान नहीं होते हैं। उपयोगितावादी नियम जो सभी के लिए जीवन को बेहतर बनाते हैं
III: Universal Principles सार्वभौमिक सिद्धांत	Adulthood व्यस्कवस्था	Morality is based on principles that transcend mutual benefit. नैतिकता उन सिद्धांतों पर आधारित है जो पारस्परिक लाभ को पार करते हैं

Stage 5: Social Contract Orientation (सामाजिक अनुबंध अभिविन्यास)

In this stage, the person is look at various opinions and values of different people before coming up with the decision on the morality of the action.

इस चरण में, व्यक्ति कार्रवाई की नैतिकता पर निर्णय के साथ आने से पहले विभिन्न लोगों के विभिन्न विचारों और मूल्यों को देखता है।

Stage 6: Universal Ethical Principles Orientation (सार्वभौमिक नैतिक सिद्धांत अभिविन्यास)

The final stage of moral reasoning, this orientation is when a person considers universally accepted ethical principles. The judgment may become innate and may even violate the laws and rules as the person becomes attached to his own principles of justice.

नैतिक तर्क का अंतिम चरण, यह अभिविन्यास है जब कोई व्यक्ति सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत नैतिक सिद्धांतों पर विचार करता है। निर्णय सहज हो सकता है और कानूनों और नियमों का उल्लंघन भी हो सकता है क्योंकि व्यक्ति न्याय के अपने सिद्धांतों से जुड़ा हुआ है।

Heinz dilemma Experiment (हेंज दुविधा प्रयोग):

A dilemma that Kohlberg used in his original research was the druggist's dilemma: कोहलबर्ग ने अपने मूल शोध में जिस दुविधा का इस्तेमाल किया, वह ड्रगिस्ट की दुविधा थी

Heinz's wife was dying from a particular type of cancer. The drug had been discovered by a local chemist, and the Heinz tried desperately to buy some, but the chemist was charging ten times the money it cost to make the drug, and this was much more than the Heinz could afford. Heinz could only raise half the money, even after help from family and friends. He explained to the chemist that his wife was dying and asked if he could have the drug cheaper or pay the rest of the money later. The chemist refused, saying that he had discovered the drug and was going to make money from it. The husband was desperate to save his wife, so later that night he broke into the chemist's and stole the drug.

हेंज की पत्नी एक विशेष प्रकार के कैंसर से मर रही थी। दवा को एक स्थानीय रसायनज्ञ द्वारा खोजा गया था, और हेंज ने कुछ खरीदने की सख्त कोशिश की, लेकिन रसायनज्ञ दवा बनाने के लिए लागत से दस गुना पैसा वसूल रहा था, और यह हेंज की तुलना में बहुत अधिक था। परिवार और दोस्तों की मदद के बाद भी हेंज केवल आधा पैसा ही जुटा सका। उसने केमिस्ट को समझाया कि उसकी पत्नी मर रही है और पूछा कि क्या वह दवा सस्ती कर सकती है या बाकी पैसे बाद में दे सकती है। केमिस्ट ने यह कहते हुए मना कर दिया कि उसने दवा की खोज कर ली है और उससे पैसे कमाने वाला है। पति अपनी पत्नी को बचाने के लिए बेताब था, इसलिए उस रात बाद में वह केमिस्ट के पास गया और दवा चुरा ली।

Criticism of Kohlberg's Moral Development theory:

(कोहलबर्ग के नैतिक विकास सिद्धांत की आलोचना):

1. Kohlberg tried to enhance the views or theory of morality which was briefly described by the Piaget. कोहलबर्ग ने नैतिकता के विचारों या सिद्धांत को बढ़ाने की कोशिश की जिसे संक्षेप में पियाजे द्वारा वर्णित किया गया था।
2. Kohlberg took the help from the studies of dilemma and was also interested in how an individual justify his/her action if he/she was placed in similar moral dilemmas. कोहलबर्ग ने दुविधा की पढ़ाई से मदद ली और यह भी दिलचस्पी थी कि कैसे कोई व्यक्ति अपनी कार्रवाई को सही ठहराता है यदि उसे समान नैतिक दुविधाओं में रखा गया।
3. Another criticism of Kohlberg's theory is that people frequently demonstrate significant inconsistency in their moral judgements. This often occurs in moral dilemmas involving drinking and driving or business situations where participants have been shown to reason at a lower developmental stage, typically using more self-interest driven reasoning (i.e., stage two) than authority and social order obedience driven reasoning (i.e., stage four). Critics argue that Kohlberg's theory cannot account for such inconsistencies. कोहलबर्ग के सिद्धांत की एक और आलोचना यह है कि लोग अक्सर अपने नैतिक निर्णयों में महत्वपूर्ण असंगतता प्रदर्शित करते हैं। यह अक्सर शराब पीने और ड्राइविंग या व्यावसायिक स्थितियों से संबंधित नैतिक दुविधाओं में होता है, जहां प्रतिभागियों को कम विकास के चरण में कारण दिखाया गया है, आमतौर पर प्राधिकरण और सामाजिक आदेश आज्ञाकारिता संचालित तर्क (चरण चार) की तुलना में अधिक स्व-ब्याज संचालित तर्क (चरण दो) का उपयोग करते हैं। आलोचकों का तर्क है कि कोहलबर्ग का सिद्धांत ऐसी विसंगतियों के लिए जिम्मेदार नहीं है।
4. Kohlberg's stages are culturally biased—that the highest stages in particular reflect a westernized ideal of justice based on individualistic thought. This is biased against those that live in non-Western societies that place less emphasis on individualism. कोहलबर्ग के चरण सांस्कृतिक रूप से पक्षपाती हैं - विशेष रूप से उच्चतम चरण व्यक्तिवादी विचार पर आधारित न्याय के पश्चिमी आदर्श को दर्शाते हैं। यह उन लोगों के खिलाफ पक्षपाती है जो गैर-पश्चिमी समाजों में रहते हैं जो व्यक्तिवाद पर कम जोर देते हैं।